सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 291 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 29 नवम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

आप जो करने से डरते हैं, उसे करिए और करते रहिए, अपने दर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।

–डेल कार्नेगी

भारत-अफ्रीका के बीच पहला वनडे... 7 | कर्नाटक में सीएम पद कम होगी... 3 | संघ और भाजपा ने किया चुनावी... 2

थ्रिल-सस्पेंस और हॉरर की कहानी बनते इमरान खान!

भारत में भी चिंता, दुनिया भर में होने लगी अब चर्चा

» जिंदा है या फिर मौत, पाकिस्तान की सियासत का सबसे डरावना सवाल?

» बच्चों ने पाक सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल तक जिस मुल्क में इमरान खान, नया पाकिस्तान के नारे लग रहे थे आज उसी पाकिस्तान में इमरान खान की मौत के सवाल पर सन्नाटा है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी फिर लंबे समय तक उनकी कोई विश्वसनीय झलक न मिलने के बाद मीडिया में जेल में उनकी मौत की खबर ने इस पूरे परिदृश्य को एक थ्रिल सस्पेंस हॉरर कथा जैसा बना रहे हैं। आज पाकिस्तान और पूरी दुनिया में एक ही सवाल गूंज रहा है कि इमरान खान जिंदा हैं या उनकी मौत हो चुकी है।

गृहयुद्ध की तरफ़ बढ़ते कदम

इमरान खान की संभावित मौत की अफवाहों ने पाकिस्तान के भीतर एक विस्फोटक स्थिति खड़ी कर दी है। जनता और सेना दो खेमों में बंट चुकी हैं। एक तरफ वह आम लोग हैं जो इमरान को जनता की आवाज मानते हैं तो दूसरी तरफ वह ताकतवर सैन्य ढांचा है जो राजनीतिक नियंत्रण को अपना अधिकार समझता है। यदि इमरान की मौत की खबर सच साबित होती है तो पाकिस्तान बड़े पैमाने पर गृहयुद्ध जैसे हालात में फिसल सकता है। भीड़ बनाम बंदूक का यह टकराव राजनीतिक ध्रुवीकरण की चरम सीमा तक पहुंच चुका है और इसकी आग चरमपंथी संगठनों के लिए ऑक्सीजन का काम करेगी। इससे टीटीपी जैसे आतंकी गुटों और कट्टरपंथी नेटवर्क का उभार तेज होने की आशंका गंभीर है।

बोझ हमेशा पड़ोसी उठाता है

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान चाहे आर्थिक संकट में हो या राजनीतिक अराजकता में सबसे बड़ा नुकसान भारत झेलता है। इमरान खान के सस्पेंस और पाकिस्तान की अस्थिरता के परिणाम भारत के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। कश्मीर सीमा पर तनाव और गोलीबारी में बढ़ोतरी की आशंका महसूस की जा रही है। घुसपैठ और आतंकी मॉड्यूल फिर सक्रिय होने की कोशिश की जा सकती है। ड्रोन के माध्यम से हथियार तस्करी एक संभावित खतरे के तौर पर चुनौती है। भारत के अंदर धार्मिक राजनीतिक ध्रुवीकरण भड़काने की साजिशें भी की जा सकती है। यदि पाकिस्तान सेना का ध्यान आंतरिक संघर्ष में फंसा रहा तो उसके अनियंत्रित तत्व भारत को अस्थिर करने की दिशा में इस्तेमाल किए जा सकते हैं यह पैटर्न इतिहास में कई बार देखा जा चुका है।

अंतरराष्ट्रीय पटल पर नई बेचैनी

अमेरिका, चीन, सऊदी अरब और यूरोपीय संघ के लिए पाकिस्तान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। एक बड़े राजनीतिक नेता की संदिग्ध मृत्यु वैश्विक भू राजनीति को हिला सकती है। लोकतंत्र बनाम सेना के टकराव से क्षेत्र में शक्ति संतुलन बदल सकता है। समाजशात्रियों का मानना है कि इमरान खान की रिहाई पाकिस्तान को लोकतंत्र दे सकती और इमरान खान की मौत पाकिस्तान को गृहयुद्ध में धकलने के लिए काफी है।

अफगानिस्तान पर भी पड़ेगा असर

पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता हमेशा अफगानिस्तान में असर डालती रही है और इस बार यह असर कहीं ज्यादा बड़ा होगा। अफगानिस्तान में तालिबान और आईएसआईएस के बीच पहले से मौजूद तनाव पाकिस्तान की कमजोरी को अवसर के रूप में देख सकता है। सीमा पार हथियारों की तस्करी आतंकी प्रशिक्षण शिविरों की गतिविधि और कट्टरपंथी भर्ती में बेतहाशा वृद्धि होना लगभग तय माना जा रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सुरक्षा परिस्थितियां एक बार फिर क्षेत्रीय अस्थिरता के केंद्र बन सकती हैं।

डरावना रहा है इतिहास

पाकिस्तान के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह पहला मौका नहीं होगा जब सत्ता विरोधियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा हो। इमरान खान उसी जेल में बंद हैं जहां पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी दी गई थी और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को कैद रखा गया था। यह संयोग नहीं बल्कि वह राजनीतिक पैटर्न है जिसमें हर लोकप्रिय नेता, जो सैन्य प्रतिष्ठान और सत्ता संरचना के विरोध में खड़ा होता है अंततः या तो सत्ता से बेदखल किया जाता है या संदिग्ध परिस्थितियों में चोरी-छिपे समाप्त कर दिया जाता है। इमरान खान का मामला इसलिए भी अधिक सस्पेंस पैदा करता है क्योंकि जेल की स्थिति की कोई स्वतंत्र निगरानी नहीं है। मीडिया पहुंच पर पूर्ण प्रतिबंध है और परिवार की मुलाकातों पर लगातार अंकुश है। अदालत की कार्यवाही का भी वहीं खबरें बाहार आती है जिन्हें सरकार चाहती है।

बेटे ने मांगा बाप के जिंदा होने का सबूत

इमरान खान के बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके अपने पिता के जिंदा होने का सबूत सरकार से मांगा है। इसके साथ ही कासिम ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और इंटरनेशनल कोर्ट से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग भी की है।

सुलगता पाकिस्तान

अदियाला जेल में इमरान की हत्या की अफवाह उड़ने के बाद पाक में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और बहन अलीमा खान लगातार शहबाज सरकार से मांग कर रही हैं कि उन्हें इमरान से मिलने दिया जाए। विपक्षी गठबंधन ने पूरे देश में विरोध प्रदर्शन तेज कर दिये हैं। पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के अध्यक्ष महमूद अचकजई ने पार्लियामेंट हाउस के बाहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया है कि सरकार ने संसद को रबर स्टांप बना दिया है और नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक कहीं और से हुक्म सुन रहे हैं। ट्राइबल इलाकों में लोग मारे जा रहे हैं फिर भी स्पीकर ने विपक्ष को इस गंभीर मुद्दे पर

बोलने नहीं दिया। पाकिस्तानी सरकार को घेरते हुए उन्होंने पूछा है कि इमरान खान को जेल में क्यों रखा गया है और उन्हें अपनी बहन और पार्टी लीडर्स से मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अदियाला जेल के बाहर बैठे हैं लेकिन पीटीआई के फाउंडर से मिलने की उनकी अपील पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। पीटीआई नेता असद कैसर ने कहा कि हाल के उपचुनावों में डेमोक्रेसी को खत्म कर दिया गया। हरिपुर में हुए उपचुनाव के नतीजे बदल दिए गए थे। यहां से पूर्व विपक्षी नेता उमर अयूब की पत्नी चुनाव लड़ रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि फार्म 47 पर जो नतीजा था वह कंप्यूटर पर बदले गए नतीजे से अलग था।

संघ और भाजपा ने किया चुनावी व्यवस्था का अपहरण : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- एसआईआर से हो रही है धोखाधड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा व संघ पर करारा वार किया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि संघ परिवार व भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी विपक्षी दलों के साथ ही एनडीए के सहयोगी दलों से अपील की है कि वे एकजुट हों और भाजपा के वोट काटने के षड्यंत्र का पर्दाफाश करें। इसलिए हमारी प्रत्येक देशवासी से अपील है कि सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें।

अखिलेश यादव न को एसआईआर पर जारी बयान में कहा कि ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो, आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत, जमीन, मकान, राशन, जाति और आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यवर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। यह देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी।

बीएलओ पर दबाव डाल रहे अधिकारी

उन्होंने कहा है कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि प्रदेश में जिला निर्वाचन अधिकारी (डीएम), एडीएम (चुनाव), एसडीएम (ईआरओ) और सुपरवाइजर द्वारा बीएलओ पर दबाव डालकर मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को थर्ड ऑप्शन में सब्मिट कराया जा रहा है। बीएलओ द्वारा फर्सट आप्शन और सेकेंड ऑप्शन के मानक को पूरा करने वाले मतदाताओं को थर्ड आप्शन में सब्मिट कर देने से 9 दिसंबर को मतदाता सूची का मसौदा (ड्राफ्ट रोल) प्रकाशित होने पर कई करोड़ मतदाताओं को ईआरओ नोटिसें भेजकर उनसे जांच के नाम पर दस्तावेज मांगेंगे। ऐसे में ज्यादातर मतदाताओं के नाम 7 फरवरी की अंतिम मतदाता सूची में डिलीट (कटा) रहेगा।

मतदाता सूची के प्रकाशन को 3 माह और आगे बढ़ाएं

अखिलेश यादव ने मांग की है कि गणना प्रपत्र भरने संबंधी तमाम दिक्कतों को देखते हुए 9 दिसंबर को ड्राफ्ट रोल (मतदाता सूची) के प्रकाशन को 3 माह और आगे बढ़ाकर नए सिरे से नियमानुसार गणना प्रपत्र सब्मिट कराए जाएं।

लोकतंत्र के खिलाफ संगठित अपराध हो रहा : संजय सिंह

» बीएलओ की मौत पर आम आदमी पार्टी करेगी सामूहिक श्रद्धांजलि सभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में लगे बीएलओ के निधन पर आम आदमी पार्टी (आप) 30 नवंबर को पूरे प्रदेश भर में श्रद्धांजलि सभा करेगी। यह जानकारी आप सांसद व प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर दी। उन्होंने कहा कि देशभर में एसआईआर के नाम पर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग बीएलओ पर दबाव बना रहे हैं कि अब तक 25 से अधिक बीएलओ अपनी जान गंवा चुके हैं।

यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ संगठित अपराध है। जब चुनाव में अभी डेढ़ साल बाकी है तो इतनी जल्दबाज़ी क्यों? यह चुनाव सुधार है या वंचित वर्ग को सूची से हटाने की सोची-समझी साजिश? संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त का रवैया अमानवीय है। बीएलओ को बिना संसाधन, बिना प्रशिक्षण और बिना समय सीमा के ऐसी परिस्थितियों में काम कराया जा रहा है कि लोग नौकरी बचाने के डर में आत्महत्या तक कर रहे हैं। कई क्षेत्रों में बीएलओ को रातभर ड्यूटी करनी पड़ रही है।

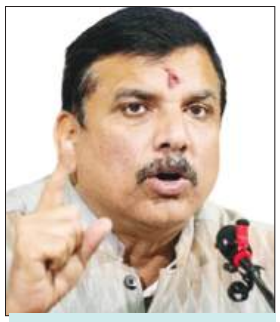

30 नवंबर को पूरे प्रदेश में आयोजन

उन्होंने कहा कि पार्टी 30 नवंबर को प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि सभा करेगी। इसमें मृत बीएलओ को श्रद्धांजलि देने के साथ यह मांग की जाएगी कि बीएलओ की मौतों की उच्च स्तरीय जांच हो, परिवारों को मुआवजा दिया जाए और एसआईआर के नाम पर हो रहा अत्याचार तुरंत रोका जाए।

उदयनिधि स्टालिन के बर्थडे में अश्लील डांस पर बवाल

» बीजेपी ने डीएमके पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। (डीएमके) के पदाधिकारियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठे दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक मंडली मंच पर प्रस्तुति दे रही है। इस वीडियो की व्यापक आलोचना हुई है और आलोचकों ने इस प्रदर्शन को अश्लील बताया है। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री ने कलाकारों को पास-पास नाचने का इशारा किया था।

तमिलनाडु के मंत्री एस पेरियाकरुप्पन को एक कथित वीडियो सामने आने के बाद तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उन्हें उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के जन्मदिन समारोह के दौरान अर्ध-नग्न वेशभूषा में महिलाओं द्वारा नृत्य प्रदर्शन को देखते और उसकी सराहना करते हुए दिखाया गया है। तमिलनाडु भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना सत्ता में बैठे लोगों की छवि को खराब करती है। पार्टी

ने यह भी सवाल उठाया कि कोई मंत्री सिर्फ़ मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए सरकारी पद पर क्यों रहेगा। मीडिया रिपोर्ट में वीडियो का हवाला देते हुए कहा गया है कि ऑनलाइन व्यापक रूप से प्रसारित इस फुटेज में पेरियाकरुप्पन जिला-स्तरीय द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के पदाधिकारियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठे दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक मंडली मंच पर प्रस्तुति दे रही है। इस वीडियो की व्यापक आलोचना हुई है और आलोचकों ने इस प्रदर्शन को अश्लील बताया है। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री ने कलाकारों को पास-पास नाचने का इशारा किया था।

» भाजपा व टीएमसी में वार-पलटवार

» बीएलओ को धमका रही है तृणमूल : विवेक कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। बीएलओ के उत्पीड़न को लेकर बंगाल में बवाल मचा हुआ है। जहां टीएमसी ने चुनाव आयोग पर बीलएलओ पर दबाव डालने का आरोप लगाया है भाजपा ने टीएमसी पर बीएलओ को धमकाने की बात कही है।

भाजपा नेता विवेक ठाकुर ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया और कहा कि बूथ स्तर के अधिकारियों पर दबाव डाला जा रहा है और उन्हें अपना कर्तव्य निभाने से रोका जा रहा है। एएनआई से बात करते हुए, विवेक ठाकुर ने कहा कि बीएलओ टीएमसी पार्टी कार्यकर्ताओं के अत्याचार का सामना कर रहे हैं। वे बीएलओ से सभी गणना फॉर्म छीन रहे हैं, उन पर दबाव बना रहे हैं और उन्हें खुद भर रहे हैं। विवेक ठाकुर ने कहा कि बंगाल सरकार पूरी

एसआईआर प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने अभी तक डेटा एंट्री ऑपरेटरों की नियुक्ति नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार का उदाहरण दिया, जहाँ एसआईआर बिना किसी परेशानी के हुआ। एक दिन पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की मौतों को लेकर केंद्र और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लागू करने में की गई जल्दबाजी पर सवाल उठाया।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने जानना चाहा कि गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान, जहाँ भाजपा सत्ता में है, में बीएलओ की मौतों के लिए कौन ज़िम्मेदार है। कोलकाता के रेड रोड पर मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। मेरे पास पूरा रिकॉर्ड है कि किसने आत्महत्या की, किसने मानसिक आघात के कारण जान दी। कई लोग अभी भी आत्महत्या कर रहे हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीएलओ की मौत के लिए कौन ज़िम्मेदार है? इसे इतनी जल्दी लागू करने की क्या ज़रूरत थी? वे बीएलओ को धमकी देते हैं कि उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा और उनकी नौकरी छीन ली जाएगी। मैं आपसे पूछना चाहती हूँ कि आपकी नौकरी कब तक रहेगी? लोकतंत्र तो रहेगा, लेकिन आपकी नौकरी नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीएलओ को जेल और नौकरी जाने की धमकी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री बनर्जी ने बीएलओ के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात न करने के लिए चुनाव आयोग की आलोचना की।

वर्तमान में, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रव्यापी एसआईआर चल रही है, जिसकी अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल।

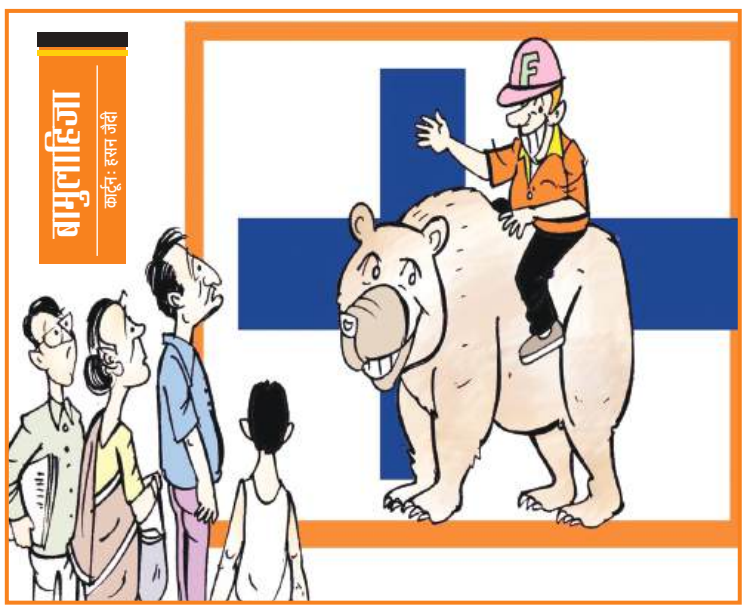

चक्रवात दितवाह से निपटने के लिए स्टालिन ने मोर्चा संभाला

» मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ व एनडीआरएफ टीमें जुटाईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि राज्य चक्र वात दित्वा के लिए पूरी तरह तैयार है और भारी बारिश की आशंका वाले जिलों में 16 एसडीआरएफ और 12 एनडीआरएफ टीमें तैनात की गई हैं। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से प्रभावी समन्वय स्थापित करने का आग्रह किया और जनता से चक्रवात दित्वा के दौरान मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने, घरों के अंदर रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने का अनुरोध किया।

पोस्ट में लिखा सभी विभागों को समन्वय करना चाहिए और उचित योजना

के साथ कार्य करना चाहिए, जिसे जिला कलेक्टरों को सुनिश्चित करना चाहिए! मैं आम जनता से अनुरोध करता हूं कि वे मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करें, अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। चक्रवाती तूफान 'डिटवा' के दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास 30 नवंबर की सुबह तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने बुलेटिन में कहा कि चक्रवाती तूफ़ान शुक्रवार को कराईकल से 320 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, पुडुचेरी से 430 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 530 किलोमीटर दक्षिण में पहुंचा। इस तूफान के श्रीलंका तट और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ते रहने तथा उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों तक पहुंचने की प्रबल संभावना है।

कर्नाटक में सीएम पद कम होगी रार

सबकुछ ठीक होने के बात पर अड़े शिवकुमार

» सिद्धारमैया कैंप ने भी किया शक्ति प्रदर्शन

» आलाकमान सबको मनाने की जुटा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में सीएम पोस्ट को लेकर कांग्रेस में बवाल पर रोक लगने के आसार नजर आ रहे हैं। सीएम सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ने एक साथ आकर इसको बल दिया है। आपकों बता दे कु छ दिन पहले दोनो खेमें में गुटबाजी सामने आने लगी थी। इस बीच कांग्रेस हाईकमान एक्टिव हो गया हैकांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी कर्नाटक मुद्दे पर बैठक करने वाले हैं।

सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार के कुर्सी का झगड़ा दिल्ली तक पहुंच चुका है। कांग्रेस हाईकमान इस मामले पर एक्टिव है। इस बीच सिद्धारमैया कैंप अभी वेट एंड वॉच कर रहा है। सूत्रों ने बताया है कि अगर हाईकमान सीएम पोस्ट में बदलाव का कोई संकेत देता है तब सिद्धारमैया कैंप एक्टिव हो जाएगा।

सिद्धा कैंप की कड़ी नजर

सूत्रों ने बताया कि अभी वो देखो और इंतजार करो की मुद्रा में हैं। अगर हाईकमान की तरफ से राज्य में सीएम बदलने का जरा भी संकेत आता है तब वो अपनी योजना को अमलीजामा पहनाएंगे। बड़ी संख्या में सिद्धारमैया कैंप के विधायक दिल्ली जाने की योजना बना रहे हैं। ताकि सिद्धारमैया को राज्य का सीएम बनाया रखा जाए, सिद्धारमैया कैंप के सतीश जारकीहोली ने कल इस सिलसिले में कई विधायकों से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई थी।

जुबां पर आया शिवकुमार का दर्द

उधर, शिवकुमार ने एक ऐसा बयान दिया है जिसे राज्य में चल रही सीएम पोस्ट की खींचतान से जोड़ा जा रहा है। शिवकुमार ने कहा कि है कि वर्ड पावर इज वर्ल्ड पावर (शब्दों की ताकत दुनिया की ताकत है) और वादों को पूरा करना सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने कहा कि चाहे जज हों, राष्ट्रपति हों, मैं हूं, आप हों या कोई आपके घर का हो, ये सबसे बड़ी ताकत है और हमें इसकी इज्जत करनी होती है।

पूरी तैयारी में मुख्यमंत्री

यही नहीं, सिद्धारमैया कैंप का बैकअप प्लान भी तैयार है। सूत्रों ने बताया कि अगर हाईकमान राज्य में सीएम बदलने पर जोर देता है तो ऐसी स्थिति में सिद्धारमैया कैंप दूसरे दावेदारों को भी उतार सकती है।

डीके शिवकुमार से मिले प्रियांक खरगे

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस एकजुट है और एकजुट रहेगी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात के बाद, उन्होंने कहा कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की क्योंकि उन्हें प्रशासनिक समस्या थी। पत्रकारों से बात करते हुए, प्रियांक खरगे ने कहा कि अगर मुझे कोई प्रशासनिक समस्या है, तो मैं अपने सीएम और डीसीएम के पास जाऊँगा। मैं नगर निकाय में स्पष्टीकरण चाहता था। इसलिए मैं आया हूँ। कल, अगर मैं खड़गे से भी मिलता हूँ, तो आप पूछेंगे कि आपने राजनीतिक रूप से क्या चर्चा की? अनावश्यक अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है। सीएम ने क्या कहा? आलाकमान ने। तो फिर अस्पष्टता कहाँ से आ रही है? अस्पष्टता केवल मीडिया और भाजपा में है, जनता या कांग्रेस में नहीं। प्रियांक खरगे का उपमुख्यमंत्री से मिलना डीके शिवकुमार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच संभावित बैठक से पहले हो रहा है। शिवकुमार के शुक्रवार को दिल्ली रवाना होने की उम्मीद है। हालाँकि, प्रियांक खर गे ने इन खबरों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी और मीडिया से किसी भी तरह की अटकलबाजी न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि अगर आलाकमान उन्हें बुलाएगा, तो वे जाएँगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह जानकारी कहाँ से आ रही है। सभी ने कहा कि अगर हमारे प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला या अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बुलाएँगे, तो वे जाएँगे। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि अगर आलाकमान उन्हें बुलाएगा, तो वे जाएँगे। उन्हें बुलाने दीजिए, फिर हम देखेंगे। आलाकमान समय और स्थिति का आकलन करेगा और फिर फैसला करेगा। यह कोई नई बात नहीं है। पार्टी 130 सालों से आगे बढ़ रही है। जब भी हस्तक्षेप की जरूरत होगी, वे करेंगे।

खरगे हुए एक्टिव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि वो दिल्ली जाकर कुछ अहम लोगों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं तीन या चार लोगों को बुलाकर इस बारे में बात करूंगा। इसके बाद राज्य में सीएम और डेप्युटी सीएम विवाद के बारे में कोई फैसला किया जाएगा। खरगे ने कहा कि मैं सभी को बुलाऊंगा और मामले को सुलझाऊंगा।

तमिलनाडु विस चुनाव पर लगेगा सियासी दावं

डीएमके व एआईडीएमके अपने वोट बैंक को मजबूत करने में लगे

» भाजपा ने बनाया एनडीए को बढ़ाने की योजना

» कांग्रेस ने भी आरंभ की मोर्चाबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण में अपनी पैठ को धीरे-धीरे जमाने की कोशिश में जुटी वहां के मतदाताओं के हर वर्ग पर नजर रखते हुए, अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों की पुष्टि के अनुसार, इसका ध्यान वोटों के बंटवारे को रोकने पर है, जिससे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को फायदा हो सकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, भाजपा छोटी पार्टियों को एनडीए के दायरे में लाने पर काम कर रही है।

वहीं कांग्रेस ने भी मोर्चा संभाल लिया है। कांग्रेस स्टालिन के साथ मिलकर किसी भी तरह से उसे रोकने की जुगत में लगी हुई है। तमिलनाडु की विशिष्ट चुनावी गतिशीलता को देखते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में नए दलों को शामिल करने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने मिशन मोड रणनीति अपनाई है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी चुनाव में डीएमके विरोधी वोट बंटे नहीं। मतदाताओं के हर वर्ग पर नजर रखते हुए, भाजपा ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों की पुष्टि के अनुसार, इसका ध्यान वोटों के बंटवारे को रोकने पर है, जिससे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को फायदा हो सकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, भाजपा छोटी पार्टियों को एनडीए के दायरे में लाने पर काम कर रही है।

प्रमुख गठबंधनों में सहयोगियों से चर्चा

प्रमुख गठबंधन सहयोगियों के बीच चर्चाएँ शुरू हो चुकी हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के नेता ई. पलानीस्वामी ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और चुनावी रणनीति और एआईएडीएमके से पहले निष्कासित नेताओं की संभावित वापसी पर विचार-विमर्श किया। हालांकि, अन्नाद्रमुक सूत्रों के अनुसार, ईपीएस ने अमित शाह से कहा कि भाजपा को अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेताओं को पार्टी में शामिल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे गठबंधन की एकता प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद, दोनों दलों ने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार से जुड़े जन मुद्दों के समाधान के लिए अगले महीने से एक संयुक्त अभियान शुरू करने पर सहमति जताई है। पूर्व नेताओं को फिर से शामिल करने का मामला अभी भी अनसुलझा है।

पन्नीरसेल्वम पर डोरे डालने की तैयारी

पूर्व उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) के बारे में सूत्रों का कहना है कि भाजपा उन्हें अपने पाले में लाने के लिए इच्छुक है। खबरों के मुताबिक, ओपीएस दिसंबर के अंत या जनवरी में भाजपा में शामिल हो सकते हैं, जिसका अन्नाद्रमुक स्वागत नहीं कर सकती। तमिल सुपरस्टार विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को एनडीए में शामिल करने पर भी बहस चल रही है। एआईएडीएमके का मानना है कि पिल्लई जाति से आने वाले विजय, अगाड़ी जाति के वोट ला सकते हैं। हालाँकि, भाजपा अभी इसके पक्ष में नहीं है, क्योंकि उसका मानना है कि विजय केवल डीएमके के वोटों में सेंध लगाते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

तेजस हादसे से भारतीय साख को लगा बट्टा

21 नवंबर को बड़ी दुर्घटना घटी पर एक-आद चैनल या अखबारों ने छोटी सी खबर लगाकर इसको दबा दिया जबकि इस घटना से देश को क्षति हुई। सबसे बड़े दुख की बात केंद्र की मोदी सरकार मेक इन इंडिया के पर जोर दे रही। पर इस दुर्घटना से सरकार के दावों या साख पर बट्टा लगा दिया। इरअसल दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। 21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तुम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया।

भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी।

दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। 21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जंक फूड को लेकर प्रभावी नीति की जरूरत

दिनेश सी शर्मा

जानी-मानी मेडिकल पत्रिका, द लैंसेट ने इंसान के भोजन में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, आमतौर पर जिसे जंक फूड कहा जाता है, के बढ़ते इस्तेमाल पर शोधपत्रों की एक श्रृंखला प्रकाशित की है। जिसमें बताया गया कि ये खाद्य पदार्थ कैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य को अनदेखा कर रहे हैं, दीर्घकालिक रोग पैदा कर रहे हैं, व सेहत असमानता बढ़ा रहे हैं। अधिकांश खाद्य पदार्थ कुछ हद तक प्रसंस्करण से गुज़रते हैं-गेहूं पीसकर आटा बनाना और चावल व दाल की मिलिंग कर उन्हें पकाने या सुरक्षित रखने लायक बनाना। समस्या पैदा होती है जब कृषि उत्पाद कारखानों में अत्यधिक प्रोसेस किये जाते हैं, उन्हें स्वस्थ, कुदरती बताकर पैक, ब्रांडेड व विपणन किया जाता है। भोजन को प्रसंस्कृत करने और सुरक्षित रखने के परंपरागत तरीके जैसे सुखाना, ठंडा करना, फ्रीज करना, पाश्चराइजेशन, फर्मेंटेशन, बेकिंग और बॉटलिंग, खाने के कुदरती स्वरूप को काफी हद तक बनाए रखते हैं, लंबे समय कायम रखते हैं व स्वाद भी बढ़ाते हैं।

दूसरी ओर, अल्ट्रा-प्रोसेसिंग भोजन पदार्थ के अवयवों में रासायनिक बदलाव कर देते हैं, उनमें एडिटिव्स मिलाकर रेडी-टू-कंज्यूम या लंबे समय बने रहने वाले उत्पाद में परिवर्तित कर देते हैं। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के ऐसे उदाहरणों में मीठे ड्रिंक्स, पैकेज्ड स्नैक्स, पोटैटो चिप्स, इंस्टेंट नूडल्स, रीकॉन्सटिट्यूटेड मीट, कुछ ब्रेकफास्ट सीरियल्स और फ्लेवर्ड योगर्ट शामिल हैं। ऐसे उत्पादों के ज्यादा इस्तेमाल से ताजा या कम प्रोसेस्ड भोज्य पदार्थ खुराक से बाहर हो जाता है और मोटापा, हृदय रोग, मधुमेह और अन्य सेहत समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ये उत्पाद धरती की सेहत के लिए भी हानिकर हैं। इनके उत्पादन व परिवहन में बहुत ज्यादा जैविक ईंधन खर्च होता है, और पैकेजिंग, जो ज्यादातर प्लास्टिक की होती है, कचरा पैदा करती है। द लैंसेट श्रृंखला ने कई अध्ययनों के सबूतों का विश्लेषण किया है, जो दर्शाता है कि दुनिया भर में दीर्घकाल से प्रचलित भोजन करने के रिवायती ढंग की जगह अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाना ले रहा है, और यह चलन तेजी से उन इलाकों में भी फैल रहा है जहां जंक फूड अभी ज्यादा नहीं था।

दूसरा, सबूत पुख्ता करता है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाने के तौर-तरीके अपनाने से खुराक की गुणवत्ता काफी हद तक खराब हो जाती है। तीसरा, एकत्रित सबूत बताते हैं कि दीर्घकाल से

कायम भोजन के ढंग की जगह अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड द्वारा ले लेना, दुनिया में खुराक से जुड़े, कई दीर्घकालिक रोगों के बढ़ते बोझ का एक मुख्य कारक है। जंक फूड के ज़्यादा इस्तेमाल से जीवनशैली संबंधी रोगों की बढ़ती संख्या से जोड़ने वाले इतने सारे सबूत देखने के बावजूद, नीति नियंता और सरकारें निर्णय लेने में धीमी क्यों हैं? ऐसा इसलिए कि जंक फूड इंडस्ट्री इतनी ताकतवर है कि यह लॉबिंग, मार्केटिंग और जन संपर्क के जरिए नियम व नीति निर्माण प्रक्रिया को प्रभावित करती रहती है। द लैंसेट श्रृंखला में दिखाया गया डेटा हैरानीजनक है। 2024 में, शीर्ष तीन फूड कॉर्पोरेशन-कोका कोला, पेप्सिको और मोंडेलेज- ने विज्ञापन पर कुल 13.2 बिलियन डॉलर खर्च किए । जंक फूड मार्केटिंग का उद्देश्य सांस्कृतिक पसंद प्रभावित कर मांग पैदा करना और अस्वास्थ्यकारी भोजन पदार्थों का आम प्रचलन बनाना है। जंक फूड कंपनियों को उनकी वैश्विक उत्पादन एवं विपणन सामर्थ्य राजनीतिक ताकत प्रदान करती है। मसलन, कोका-कोला की 200 देशों के बाजारों में रोजाना 2.2 बिलियन बोतलें या ड्रिंक्स केन बिकते हैं, जिसकी आपूर्ति 950 बॉटलिंग प्लांट संचालक 200 पार्टनर करते हैं। कंपनियां सरकारों के फैसलों को धमकी देकर प्रभावित करती हैं कि उनके धंधा शिफ्ट करने पर नौकरियां, निवेश हाथ से निकल जाएंगे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कॉर्पोरेट जगत की राजनीतिक गतिविधियों की पहचान अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड संबंधी नुकसान कम करने हेतु असरदार पब्लिक नीतियां लागू करने में बड़ी बाधा के तौर पर की है। अतिविशाल कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए वाले ढंग तंबाकू, शराब उद्योग के तरीकों जैसे हैं।

उनका मकसद विरोध से निपटना और नियामक रोकना है, और यह काम वे अपने आनुषंगिक गुटों और अपने पैसे से बनाए शोध साझेदारों के वैश्विक नेटवर्क के जरिए करते हैं। लॉबिंग के अलावा, वे सरकारी एजेंसियों में अपने लोगों की घुसपैठ करते हैं, कॉर्पोरेट अनुकूल प्रशासनिक मॉडल व नियामक को बढ़ावा देते हैं, और वैज्ञानिक भ्रम बनाने की कोशिश करते हैं। भारत में यह सब खाद्य नियामक एजेंसियों के काम के तरीके में साफ दिखता है। रोचक कि जंक फूड इंडस्ट्री के संगठनों ने खाद्य नियामक के साथ अलग-अलग स्वास्थ्य जागरूकता प्रचार प्रोजक्ट्स में साझेदारी कर रखी है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य का मखौल है।

मौलिक कर्तव्यों के पालन से कर्मयोग की राह

डॉ. सुधीर कुमार

आजादी ने हमें अधिकार दिए, मगर हमने कर्तव्य भुला दिए? यही असंतुलन आज भारत की सबसे बड़ी नैतिक चुनौती है। सदियों की गुलामी के बाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना जरूरी था। लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट हुआ कि सिर्फ अधिकारों पर जोर देने से एक स्वस्थ और सक्रिय समाज नहीं बन सकता। एक ऐसा राष्ट्र, जो केवल अपने अधिकारों की मांग करता हो, मगर अपने कर्तव्यों को भूल जाए, वह नागरिक उदासीनता और व्यवस्थागत विफलताओं का शिकार हो जाता है। यह उदासीनता श्रीमद्भागवद्गीता के 'स्व-धर्म' सिद्धांत का उल्लंघन है, जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने निर्धारित कर्तव्यों का पालन करने पर जोर देता है। जब नागरिक यह मान लेते हैं कि समस्याओं को नेता या अधिकारियों द्वारा हल किया जाएगा, तो वे पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे अपने मौलिक कर्तव्यों की जिम्मेदारी से भागते हैं।

मौलिक कर्तव्य इस पलायनवाद का मुकाबला करने और नागरिक को यह याद दिलाने के लिए एक कानूनी-नैतिक ढांचा प्रदान करते हैं कि सामूहिक प्रगति उनकी आत्म-अनुशासित कार्रवाई पर निर्भर करती है। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए, 42वें संवैधानिक संशोधन (1976) के माध्यम से संविधान में भाग चार-ए और अनुच्छेद 51ए को जोड़ा गया, जिसमें नागरिकों के लिए 11 मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया। बाद में 86वें संशोधन (2002) में शिक्षा के अधिकार से जुड़ा एक और कर्तव्य (51ए(के)) जोड़ा गया। ये मौलिक कर्तव्य अक्सर सिर्फ 'नैतिक उपदेश' मानकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं क्योंकि इन्हें सीधे तौर पर कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। लेकिन यह नजरिया अधूरा है। ये 11 मौलिक कर्तव्य वास्तव में भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए 'निष्काम कर्म' उपदेशों का ही रूप हैं। ये कर्तव्य हमें सिखाते हैं कि राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व ही हमारा 'धर्म' है। भगवद्गीता का 'निष्काम कर्म' (फल की इच्छा के बिना कर्तव्य करना) भारतीय नागरिकों को अपने मौलिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए एक आवश्यक मनोवैज्ञानिक इंजन प्रदान करता है।

गीता का सूत्र—'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' सिखाता है कि उत्कृष्टता (अनुच्छेद 51(ए)(जे)) केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब नागरिक पुरस्कार या इनाम के लालच के बिना ये केवल कर्तव्य के लिए कार्य करते हैं। उत्कृष्टता 51(ए(जे))का कर्तव्य सीधे निष्काम कर्म के सिद्धांत से जुड़ा है, जो फल की चिंता किए बिना अपने कार्य को कुशलता और समर्पण के साथ करने पर जोर देता है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा (51ए(आई)) गीता के अध्यात्म ज्ञान (पदार्थ की नश्वरता) से प्रेरित है।

यह ज्ञान भौतिक वस्तुओं के प्रति अत्यधिक लगाव और अहंकार को कम करता है, जिससे नागरिक सार्वजनिक संपत्तियों को 'मेरा' मानकर उनकी सुरक्षा का दायित्व लेते पर्यावरण की रक्षा (51ए(जी)) का उपदेश लोकमंगल का आधुनिक रूप है। यह सभी जीवों के प्रति एक नैतिक दायित्व को स्थापित करता है, जो संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के अस्तित्व और कल्याण के लिए आवश्यक है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना (51ए (एच)) आध्यात्मिक विवेक (तर्क और सही-गलत का भेदभाव) का धर्मनिरपेक्ष रूप है। असम के जादव पायेंग, जिन्हें 'फॉरेस्ट मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है, निष्काम कर्म के माध्यम से संवैधानिक उद्देश्यों को जमीन पर उतारने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 1979 में, बाढ़ के बाद सांपों को गर्मी से मरते हुए देखने के दुखद अनुभव ने उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने बिना किसी सरकारी सहायता एक बंजर रेतीले टीले पर बांस के पौधे लगाना शुरू कर दिया। दशकों के अथक और निस्वार्थ प्रयास का परिणाम आज मोलाई जंगल है, जो न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से भी बड़ा है। उनका यह कार्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए(जी) पर्यावरण की रक्षा और 51ए(जे) का जीवंत प्रमाण है। शिक्षा का उद्देश्य केवल मौलिक कर्तव्यों का सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे 'कर्म योग' के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। इसके लिए, सामुदायिक सेवा को एक अनिवार्य 'नागरिक कर्म योग' परियोजना के रूप में लागू किया जाना चाहिए, जो सीधे पर्यावरण की सुरक्षा, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा और सामाजिक भाईचारे जैसे कर्तव्यों को बढ़ावा दे।

पाठ्यक्रम में सभी विषयों के साथ मौलिक कर्तव्यों का विषय-आधारित एकीकरण किया जाना चाहिए- जैसे विज्ञान में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को पढ़ाना। छात्रों में समालोचनात्मक सोच और 'विवेक' विकसित करने के लिए तर्क-आधारित वाद-विवाद और मीडिया साक्षरता को अनिवार्य किया जाए। शिक्षकों को नैतिक मूल्यों के मार्गदर्शक के रूप में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। भारत को उसके उच्चतम नैतिक और सामाजिक स्तर तक पहुंचाने का एकमात्र मार्ग यही है कि मौलिक कर्तव्यों को केवल किताबों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें हमारे दैनिक जीवन का 'कर्म योग' बनाया जाए। यह समय है कि हम अर्जुन बनें और अपने जीवन में संवैधानिक कर्म योग का पालन करें।

सर्दियों में कपल्स के लिए ये हैं बेस्ट बर्फीली जगहें

सर्दियां घूमने के शौकीन लोगों के लिए सबसे बेस्ट माना जाता है। खासकर कपल्स के लिए यह समय रोमांटिक ट्रिप पर जाने के लिए परफेक्ट होता है, क्योंकि इस मौसम में हिल स्टेशन जैसी जगहों की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। क्योंकि सर्दियों का मौसम सिर्फ ठंड का एहसास नहीं, बल्कि प्यार का सबसे खूबसूरत मौसम भी होता है। हल्की धूप, गर्म कॉफी, और ठंडी हवाओं के बीच किसी हसीन जगह पर अपने पार्टनर का हाथ थामे टहलना, इससे ज्यादा रोमांटिक क्या हो सकता है! भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जो वाइट स्नो, खूबसूरत वादियों और शांति भरे माहौल के कारण कपल्स के बीच विंटर पैराडाइज बन चुकी हैं। इस मौसम में कपल कुछ खास जगहों पर रोमांटिक ट्रिप पर जा सकते हैं और अपने प्यार और रोमांस को दोगुना बना सकते हैं।

मनाली

भारत में किसी हिल स्टेशन घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं तो बता दें कि हिमालय की गोद में बसा मनाली शहर सबसे परफेक्ट रहेगा। मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश में है और यह ब्यास नदी के किनारे समुद्र तल से 6725 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। मनाली जाना किसी भी नेचर लवर के लिए एक सपने के सच होने जैसा होता है। यहां बर्फ से ढकी पहाड़ियां, पैराग्लाइडिंग और सोलंग वैली की सैर मनाली को रोमांस का प्रतीक बनाती हैं। यहां का माहौल कपल्स के लिए बिल्कुल फिल्मी लगता है।

औली

अगर आप ठंड में भी कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल औली जाएं। यहां की सुन्दरता दुनिया में चर्चे बटौर रही है, शीतकाल शुरू होते ही यहां भीड़ बढ़ने लगी है। स्कीइंग का मजा लेते हुए पहाड़ों के बीच एक-दूसरे के साथ वक्त बिताना हर कपल का सपना होता है। औली की सफेद बर्फीली चादर में घूमना मानो प्रेम में घुल जाना। यह एक ऐसी जगह है जहां पूरे साल आप कभी भी जा सकते हैं। खासकर शर्दियों में बर्फ़बारी का आनंद लेना है तो फिर इससे बढ़िया डेस्टिनेशन स्विटजरलैंड में भी नहीं है।

शिलांग

अगर आप मेघालय की सैर करना चाहते हैं तो आपको यहां शिलांग जरूर घूमना चाहिए। यह बेहद सुंदर हिल स्टेशन है और यहां दुनियाभर से टूरिस्ट आते हैं। शिलांग मेघालय की राजधानी है। यह हिल स्टेशन उत्तराखंड और हिमाचल की तरह ही प्रकृति की गोद में बसा है। यह हिल स्टेशन टूरिस्टों को अपनी तरफ अट्रैक्ट करता है। यहां का मौसम शानदार रहता है। स्कॉटलैंड आफ द ईस्ट कहे जाने वाले शिलांग की हरियाली, झरने और ठंडी हवा प्यार को एक नई परिभाषा देते हैं।

ऊटी

दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में नीलगिरी की पहाड़ियों में बसा ऊटी एक सुंदर पर्यटन स्थल है। यह इतनी खूबसूरत जगह है कि इसे लोग पहाड़ों की रानी कहकर बुलाते हैं। ऊटी का पूरा नाम उदगमंडलम है। सर्दियों में ऊटी का मौसम न ज्यादा ठंडा, न ज्यादा गर्म, कपल्स के लिए परफेक्ट है। यहां की झीलें और चाय बागान एक सुकून भरा अनुभव देते हैं।

हंसना मना है

एक लड़की पढ़ाई में कमजोर थी हमेशा दोस्तों के साथ मस्ती करती रहती थी, टीचर- तुम्हारे गणित में इतने कम नम्बर क्यों आये? लड़की- आई नहीं थी ना उस दिन, टीचर- क्या तुम पेपर वाले दिन आई ही नहीं थी? लड़की- नहीं, वो मेरी बगल वाली लड़की नहीं आई थी...

दोस्त- बीवी से झगड़ा बन्द हुआ क्या? पति- घुटनों पर चलकर आई थी मेरे पास, घुटनों पर। दोस्त- क्या बात कर रहा है? पति- और नहीं तो क्या? दोस्त-फिर क्या बोली? पति- बोली पलंग के नीचे से बाहर आ जाओ, अब नहीं मारुंगी।

टीटू- अपने पड़ोसी दोस्त मिंटू से बोला-आज सुबह तुम्हारे कुत्ते ने मेरी किताब फाड़ दी, शीटू- मैं उसे अभी सजा देता हूं, टीटू- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है, शीटू- चौंकते हुए, कैसे? टीटू- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।

मेवालाल ने चार लोगों को कार से दबा दिया, जज -तुमने तो शराब पी नही थी तो फिर ऐसा क्यों किया? मेवालाल- जज साहब एयरटेल वालों ने कहा था कि इस गाने के लिए चार दबाये।

कहानी — शेर और चूहा

एक बार की बात है, किसी जंगल में एक चूहा रहता था। एक दिन जब वो अपनी बिल की तरफ लौट रहा था, तो उसने एक गुफा में एक शेर को आराम करते देखा। शेर को मजे में सोते हुए देख चूहे के मन में शरारत सूझी। चूहा शेर की गुफा में जा घुसा और शेर के ऊपर चढ़ गया। वह शेर के ऊपर खूब उछल-कूद करने लगा और उसके बाल खींचने लगा। चूहे की शरारतों से शेर की नींद खुल गई और उसने चूहे को अपने नुकीले पंजों में दबोच लिया। चूहे ने जब शेर के पंजे में खुद को पाया, तो वो समझ चुका था कि शेर के गुस्से से अब उसे कोई नहीं बचा सकता और आज उसकी मौत तय है। चूहा बुरी तरह डर गया और रो-रोकर शेर से विनती करने लगा कि शेर जी, मुझे मत मारो, मुझसे भूल हो गई, मुझे जाने दो। अगर आज आप मुझे जाने देंगे, तो मैं आपके इस उपकार के बदले भविष्य में जब भी आपको किसी मदद की जरूरत होगी, मैं आपकी मदद करूंगा। चूहे की बातें सुनकर शेर की हंसी निकल गई। शेर ने कहा कि तुम तो खुद इतने छोटे हो, मेरी मदद क्या करोगे। चूहे की विनती सुनकर शेर को उस पर दया आ गई और उसने चूहे को छोड़ दिया। चूहे ने शेर को धन्यवाद बोला और वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद जब शेर खाने की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था, तभी अचानक किसी शिकारी के फैलाए जाल में फंस गया। शेर ने खुद को जाल से निकालने की भरपूर कोशिश की, लेकिन निकल नहीं पाया। काफी देर कोशिश करने के बाद शेर ने मदद के लिए दहाड़ लगानी शुरू की। उसी वक्त वो चूहा उधर से गुजर रहा था कि उसने शेर की दहाड़ने की आवाज सुनी। वो भागकर शेर के पास गया और शेर को जाल में फंसा देख चौंक गया। उसने बिना देर करते हुए अपने नुकीले दांतों से जाल को काटना शुरू किया और कुछ ही देर में उसने पूरे जाल को काटकर शेर को आजाद कर दिया। चूहे की इस मदद से शेर की आंखें भर आईं और नम आंखों से शेर ने चूहे को धन्यवाद किया और दोनों वहां से चले गए। फिर शेर और चूहा अच्छे दोस्त बन गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

वृषभ — आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

मिथुन — नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क — आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह — कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या — दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक — दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

धनु — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। दूसरों के काम में दखल न दें।

मकर — व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ — सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

मीन — आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों से अपेक्षा न करें। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनुष-कृति सेनन की तेरे इश्क में को देखकर आशिकों का दिल हुआ छलनी

आनंद एल. राय के निर्देशन में बनी तेरे इश्क में शुक्रवार को सिनेमाघरों में पहुंच चुकी है और रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने दर्शकों के बीच गजब की चर्चा बटोरी है। कृति सैनन और धनुष की नई जोड़ी को लेकर फैन्स पहले से ही उत्साहित थे, लेकिन फिल्म सामने आने के बाद ट्विटर पर जिस तरह के रिएक्शंस आ रहे हैं, उन्होंने उम्मीदों को कई गुना बढ़ा दिया है।

काफी समय बाद कृति सैनन एक इमोशनल लव स्टोरी में दिखी हैं, वहीं धनुष का रोमांटिक अवतार दर्शकों को रांझणा की याद दिलाता दिख रहा है। कहा जा रहा है कि यह फिल्म रांझना की स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही है और इसी वजह से भी दर्शकों में एडवांस उत्सुकता देखने को मिली। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने पहले ही माहौल बना दिया था, अब थिएटर में रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की क्या राय है, चलिए जानते हैं। रिलीज के कुछ ही घंटों में फिल्म सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी। कई

यूजर्स ने धनुष और कृति की केमिस्ट्री को फायर बताया। एक यूजर ने लिखा- पहला हाफ काफी फीका और उबाऊ है, आनंद एल राय की पटकथा बिल्कुल सपाट लगती है। फिलहाल सिर्फ धनुष और कृति की केमिस्ट्री ही अच्छी लग रही है।

फिल्म ने रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में शानदार प्रदर्शन किया। हिंदी और तमिल वर्जन को मिलाकर करीब 2.40 लाख टिकटों की बिक्री हुई और कुल 5.65 करोड़ रुपए की एडवांस बुकिंग दर्ज की गई। यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि फिल्म को लेकर दर्शकों में एक्साइटमेंट है।

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत कृति और धनुष का नया पेयरिंग कॉम्बिनेशन माना जा रहा है। दूसरी वजह है आनंद एल. राय की सिग्नेचर स्टोरीटेलिंग- जहां प्यार, दर्द, और जज्बात सीन-दर-सीन आगे बढ़ते चलते हैं। ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म को एक अलग ऊंचाई पर ले जाता है और दर्शकों का कहना है कि गाने कहानी का हिस्सा महसूस होते हैं। अब जबकि शुरुआती प्रतिक्रियाएं अच्छी आई हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कैसी पकड़ बनाती है।

कानूनी पचड़े में पड़ी रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर'

रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म धुरंधर की काफी चर्चा है। दर्शक बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले यह फिल्म कानूनी पचड़े में पड़ती नजर आ रही है। स्वर्गीय मेजर मोहित शर्मा के माता-पिता ने फिल्म धुरंधर की रिलीज की रोक के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। उनका आरोप है कि मेजर मोहित शर्मा के परिवार की बिना इजाजत के यह फिल्म बनाई गई।

अपनी याचिका में, परिवार ने आरोप लगाया है कि फिल्म इंडियन आर्मी या मेजर शर्मा के कानूनी वारिसों से इजाजत लिए बिना बनाई गई। याचिका में कहा गया कि फिल्म में अशोक चक्र और मेडल विजेता मोहित शर्मा की जिंदगी, सीक्रेट ऑपरेशन और शहादत से सीधे जुड़ी हुई लगती है।

उनका कहना है कि मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मेकर्स ने धुरंधर को मेजर शर्मा की कहानी से जोड़ा है, लेकिन फिल्म बनाने वालों ने ना तो इसे माना है और न ही कभी परिवार से सलाह ली है। याचिका में कहा गया है कि शहीद कोई फायदे की चीज नहीं है। यह भी कहा गया कि किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वारिसों से इजाजत लिए बिना सैनिक की जिंदगी पर फिल्म बनाए। परिवार का कहना है कि बिना इजाजत के सैनिक की जिंदगी को दिखाना, संविधान के आर्टिकल 21 के तहत शहीद के मरने के बाद मिले पर्सनैलिटी के अधिकारों का उल्लंघन है।

याचिकाकर्ता ने अदालत से गुजारिश की है कि फिल्म की रिलीज रोक दी जाए और किसी भी पब्लिक प्रीमियर से पहले मेजर शर्मा के परिवार के लिए एक प्राइवेट स्क्रीनिंग जरूरी कर दी जाए। याचिका में सीबीएफसी, एडीजीपी, निर्देशक और जियो स्टूडियो का नाम है। फिल्म धुरंधर का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। मेकर्स ने फिल्म की कहानी को अभी आधिकारिक तौर से नहीं बताया है लेकिन शुरुआती रिपोर्ट्स से पता चलता है कि यह मिलिट्री-थीम वाली फिल्म है। इसमें रणवीर सिंह के अलावा सारा अर्जुन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन अहम किरदार में हैं। यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉलीवुड | मन की बात

जो गिरकर उठता है, वह उससे कहीं ज्यादा मजबूत होता है, जिसने कभी कोशिश ही नहीं की हो : अनुपम खेर

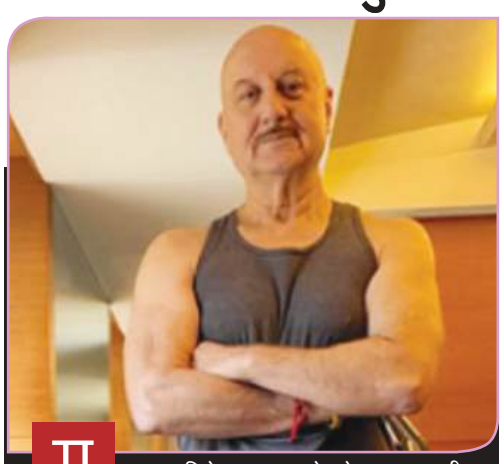

मशहूर अभिनेता अनुपम खेर ने 70 साल की उम्र में भी खुद को फिट रखा है। जिसकी एक खास झलक अनुपम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इसके साथ ही एक्टर ने युवाओं को फिटनेस का सबक दिया। उनका यह पोस्ट सेलेब्स को भी पसंद आ रहा है। अनुपम ने शुक्रवार को कुछ ही देर पहले अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जिम से अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।। इनमें वे ट्रेडमिल पर दौड़ते और डम्बल उठाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ अनुपम ने कैप्शन में लिखा, जो गिरकर उठता है, वह उससे कहीं ज्यादा मजबूत होता है, जिसने कभी कोशिश ही नहीं की हो। आगे इस पोस्ट में अनुपम ने लिखा, जय बजरंग बली। अनुपम की इस पोस्ट पर एक्टर मनीष पॉल ने बाइसेप्स की इमोजी बनाकर प्यार जताया है। अनुपम खेर का करियर चार दशकों से अधिक लंबा है। उन्होंने 540 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। अपने बेहतरीन अभिनय के लिए उन्होंने दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और आठ फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं। उनके करियर की शुरुआत 1984 की फिल्म सारांश से हुई, जिसमें उन्होंने एक 28 वर्षीय होने के बावजूद 1984 वर्षीय व्यक्ति की भूमिका निभाई थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में भी काम किया है। जिसमें बेंड इट लाइक बेकहम और सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक जैसी फिल्में शामिल हैं।

उड़ान भरने से पहले प्लेन पर क्यों डाला जाता है पानी? हैरान करने वाली है इसकी वजह!

आपने गौर किया होगा कि जब कोई विमान रनवे पर उड़ान भरने के लिए तैयार होता है, तभी उस पर अग्निशमन इंजनों द्वारा पानी की बौछार की जाती है। यह देखकर कोई भी यात्री मान सकता है कि उड़ान से पहले विमान की आखिरी मिनट की सफाई चल रही है। लेकिन आपको बता दें कि यह कोई सफाई की प्रक्रिया नहीं बल्कि एक खास रस्म है, जिसे 'वाटर सैल्यूट' कहा जाता है। इस अजीबोगरीब प्रथा का कारण हैरतअंगेज है, जो हवाई यात्रा की दुनिया का एक अनोखा रहस्य है। वाटर सैल्यूट दरअसल एक सेलिब्रेशन सेरेमनी है, जिसमें दो फायर इंजन प्लेन के ऊपर पानी के आर्क बनाते हैं, जिससे एक 'सुरंग' बनती है और प्लेन उसके नीचे से गुजरता है। समुद्री जहाजों के लिए की जाने वाली सैल्यूट की तरह यह परंपरा सम्मान, जश्न या शुभकामना का प्रतीक होती है। सिंपल फ्लाइंग की रिपोर्ट के मुताबिक, वाटर सैल्यूट खास मौकों पर किया जाता है- जैसे किसी सीनियर पायलट या एयरपोर्ट कर्मचारी की रिटायरमेंट से पहले आखिरी फ्लाइट को सम्मान देने के लिए। यह रिकॉर्ड-ब्रेकिंग फ्लाइट, ओलंपिक टीम के स्वागत या मिलिट्री पर्सनल को सम्मान देने के लिए भी किया जाता है। शिपहोल एयरपोर्ट के अनुसार, यह परंपरा मूल रूप से समुद्री उद्योग से शुरू हुई थी, जहां फायरबोट जहाजों के मेडन वॉयज पर पानी के आर्क बनाते थे। 1990 के दशक में साल्ट लेक सिटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक रिटायरिंग डेल्टा एयरलाइंस पायलट को सम्मान देने के लिए पहला वाटर सैल्यूट किया गया था। इसके बाद से इस परंपरा को आगे भी जारी रखा गया। वाटर सैल्यूट को ग्राउंड डी-आइसिंग प्रक्रिया से अलग समझना जरूरी है। डी-आइसिंग में ठंड के मौसम में प्लेन पर बर्फ जमने से बचाने के लिए लिक्विड स्प्रे किया जाता है, जबकि वाटर सैल्यूट पूरी तरह से समारोह के लिए होता है।

अजब-गजब | यहां अब 63 दिनों तक रहेगा अंधेरा

इस जगह पर अब अगले साल ही निकलेगा सूरज

सर्दियों के दिनों में कोहरे की वजह से सूरज कम ही दिखाइर्द देता है। जहां ज्यादा सर्दी पड़ती या बर्फ वाली जगहों पर 2-3 दिन में एक बार सूरज दिखाई देता है। लेकिन क्या आपको पता है कि धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां 2 महीने से भी ज्यादा समय तक सूरज निकलता ही नहीं है। ऐसे में वहां इन दो महीनों में अंधेरा ही रहता है। ये जगह अलास्का में है, जिसका नाम उत्कियागविक शहर है। इस जगह को पहले बैरो के नाम से जाना जाता था। लगभग 4600 की आबादी वाले इस शहर में 18 नवंबर को इस साल का अंतिम सूर्यास्त दर्ज किया गया यानी यहां सूरज ऑफिशियली डूब गया है। अब यहां पर सूरज 22 जनवरी 2026 तक दोबारा नहीं निकलेगा।

आर्कटिक सर्कल के उत्तर में लगभग 483 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ये शहर लंबे समय तक अंधेरे में रहेगा, क्योंकि उत्तरी गोलार्ध सितंबर और मार्च के बीच सूर्य से दूर झुक जाता है। इसकी वजह से सुदूर उत्तरी अक्षांशों पर दिन का प्रकाश धीरे-धीरे कम हो जाता है और दिसंबर संक्रांति के आसपास अपने चरम पर पहुंच जाता है। इस अवधि के दौरान यहां प्रकाश कभी-कभी ऑरोरा बोरियालिस की चमक से होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि

उत्कियागविक में अगला सूर्योदय 22 जनवरी 2026 से पहले होने की उम्मीद नहीं है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ध्रुवीय रात्रि के दौरान यहां स्थितियां अत्यंत विकट होती हैं। तापमान अक्सर शून्य डिग्री फारेनहाइट से भी नीचे चला जाता है। सूर्य न निकलने की वजह से यहां रहने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। फिर जैसे-जैसे बसंत ऋतु आती है तो दिन का उजाला धीरे-धीरे लौटने लगता है। मई के मध्य तक स्थिति पूरी तरह से उलट जाती है। उस समय से लेकर अगस्त की शुरुआत तक सूरज बिल्कुल भी नहीं डूबता यानी इस अवधि में यहां 24 घंटे दिन का उजाला बना रहता है। दक्षिणी ध्रुव पर तो ये घटना और भी ज्यादा नाटकीय होती है। जहां आर्कटिक के शहर हफ्तों तक अंधेरे में रहते हैं, तो वहीं दक्षिणी ध्रुव पर लगभग छह महीने तक लगातार सूर्य चमकता रहता है। क्योंकि यह ठीक उसी बिंदु पर स्थित है, जहां पृथ्वी के झुकाव का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। जब आर्कटिक में अंधेरा होता है तो दक्षिणी ध्रुव में धूप निकली हुई रहती है और जब आर्कटिक में आधी रात को सूर्य चमकता है, तो दक्षिणी ध्रुव अपनी अर्धवार्षिक रात्रि की आगोश में चला जाता है।

प्रदूषण पर संसद में बहस कराई जाए : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष का केंद्र पर कटाक्ष- बच्चों का दम घुट रहा, सरकार चुप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शीतकालीन सत्र से पहले देश के कई शहरों में वायु प्रदूषण पर संसद में बहस की मांग की। एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने केंद्र पर सवाल उठाते हुए वायु प्रदूषण की समस्या के लिए कोई तत्परता, योजना या जवाबदेही नहीं का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि मैं जिस भी मां से मिलता हूं, वह मुझे एक ही बात कहती है उसका बच्चा ज़हरीली हवा में सांस लेते हुए बड़ा हो रहा है। वे थके हुए, डरे हुए और गुस्से में हैं। मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं? आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना, कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती?

उन्होंने लिखा कि भारत को वायु प्रदूषण पर संसद में तत्काल, विस्तृत बहस और इस स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए एक सख्त, लागू करने योग्य कार्य योजना की आवश्यकता है। हमारे बच्चे स्वच्छ हवा के हकदार हैं – बहाने और ध्यान भटकाने वाले नहीं। इस बीच, पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस 30 नवंबर को शाम 5 बजे सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर संसदीय रणनीति समूह की बैठक करेगी, जिसमें 1 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र की रणनीति तैयार की जाएगी। वहीं कांग्रेस एससी विभाग के चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम ने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने दलितों, गरीबों और सरकारी स्कूलों के छात्रों की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रतिभा विकास विद्यालयों के नाम बदलने और सीटों के पुनर्वितरण से गरीब छात्रों के भविष्य पर असर पड़ा है, जबकि उच्च शिक्षा महंगी कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर अतिरिक्त बोझ डाला गया है।

एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी हटाया जाए : केजरीवाल

इससे पहले आज, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी उत्तर भारत में वायु प्रदूषण का समाधान न करने और एयर प्यूरीफायर पर कथित तौर पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। दिल्ली समेत उत्तर भारत में हवा जानलेवा हो गई है और समाधान देने के बजाय सरकार जनता से टैक्स वसूल रही है। लोग अपने परिवारों को प्रदूषण से बचाने के लिए एयर प्यूरीफायर खरीदने जाते हैं और उन्हें पता चलता है कि सरकार उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रही है। आप प्रमुख ने कहा, यह सरासर अन्याय है। मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि एयर और वाटर प्यूरीफायर पर लगाया गया जीएसटी तुरंत हटाया जाए। अगर आप समाधान नहीं दे सकते, तो कम से कम जनता की जेब पर बोझ डालना तो बंद करें। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, आज सुबह 8 बजे दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 384 दर्ज किया गया। 27 नवंबर को शाम 4 बजे शहर का एक्यूआई 377 दर्ज किया गया था। मामूली गिरावट के बावजूद, शहर की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी रही।

रेखा सरकार से दिल्ली वाले परेशान : आतिशी

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने नारायणा और शालीमार बाग में रोड शो कर एमसीडी उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में माहौल बनाया। उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक भी मौजूद थे। आतिशी ने कहा, लोगों को अब अरविंद केजरीवाल की काम-आधारित राजनीति चुनने का सही मौका मिला है। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने झुग्गी बस्तियों में बुलडोजर चलाकर हजारों परिवार उजाड़ दिए, जबकि आम आदमी पार्टी ही गरीबों की लड़ाई लड़ रही है। आतिशी ने कहा कि काम करने वालों को वोट देना चाहिए, काम रोकने वालों को नहीं। भाजपा को सत्ता देने पर पूरी दिल्ली पछता रही है, लेकिन पांडव नगर के लोगों के पास उपचुनाव में मौका है कि वे फिर से काम की सरकार चुनें। शालीमार बाग के रोड शो में आतिशी ने कहा कि यहां के लोग मुख्यमंत्री से नाराज हैं, क्योंकि उनके चुनाव के बाद क्षेत्र में विकास कार्य ठप पड़ गए। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पांडव नगर के लोगों ने हमेशा आम आदमी पार्टी को आशीर्वाद दिया है और काम की राजनीति को सराहा है।

भाजपा और आप ने किया दिल्ली को बदहाल : देवेंद्र

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि शीला दीक्षित सरकार ने दिल्ली को विकसित और सुरक्षित शहर की दिशा में कई काम किए थे, लेकिन भाजपा और आप की नीतियों ने विकास को पीछे धकेल दिया। उन्होंने अशोक विहार वार्ड की वोटर लिस्ट में एक ही व्यक्ति की 91 फोटो मिलने का उदाहरण देकर चुनाव तंत्र में गड़बड़ी का आरोप लगाया। दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने कहा कि दोनों दलों की नीतियों से रोजगार के अवसर घटे, झुग्गियों पर बुलडोजर चला और आम लोगों की जरूरतों की अनदेखी हुई। उन्होंने कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में मूलभूत सेवाएं खराब स्थिति में हैं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा ने दावा किया कि दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा बिगड़ी है और अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार इंजन वाली सरकार होने के बावजूद कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ।

राहुल को मानहानि केस में राहत

» अदालत ने नहीं दी सत्यकी सावरकर को यू-ट्यूब वीडियो दिखाने की अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। पुणे की एक अदालत ने सत्यकी सावरकर की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व विचारक वी. डी. सावरकर के बारे में राहुल गांधी के कथित 2023 के विवादित बयान का यू-ट्यूब वीडियो अदालत में चलाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। इसके बाद सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की विशेष अदालत ने सत्यकी द्वारा दायर उस याचिका को भी नामंजूर कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई सीडी मौजूद नहीं है। 14 नवंबर को सत्यकी की मुख्य जिरह के दौरान सबूत के रूप में पेश की गई वह सीडी चलाई नहीं जा सकी जिसमें दावा किया गया था कि राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में आपत्तिजनक भाषण दिया था।

जांच में पता चला कि सीडी में कोई डेटा था ही नहीं। सत्यकी सावरकर के वकील संग्राम कोल्हटकर ने अदालत से सत्यकी सावरकर लिंक चलाने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने इसे भी मंजूरी नहीं दी। 27 नवंबर को, सत्यकी सावरकर ने कोर्ट से रिक्वेस्ट की कि कोर्ट को दी गई एडिशनल CD चलाई जाए। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई CD नहीं है। एडवोकेट कोल्हटकर ने कहा कि उन्होंने ब्लैंक CD और गायब एडिशनल CD की ज्यूडिशियल जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, जब 2023 में कोर्ट में केस रजिस्टर हुआ था, तो हमने चैनल के यूआरएल के साथ कथित वीडियो वाली ओरिजिनल सीडी जमा की थी। दूसरे जज, जिनकी कोर्ट में उस समय केस की सुनवाई हो रही थी, ने देखा कि CD में वीडियो सच में चल रहा था।

नेंका सांसद ने अपनी ही सरकार को घेरा

» आगा रुहुल्लाह बोले- चुनावी वादे पूरे नहीं किए, भाजपा की राह पर चल रही उमर सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेंका) के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने अपनी ही पार्टी की जम्मू-कश्मीर सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने चुनावी वादे पूरे नहीं किए और सिर्फ राजनीतिक नारेबाज़ी वाली भाजपा की राह पर चलने लगी है। लगभग एक वर्ष से पार्टी नेतृत्व के आलोचक रहे मेहदी ने यह नया हमला मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल से बोला, जहां एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पार्टी उपाध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक हो रही है। मेहदी ने कहा, हमने अनुच्छेद 370 की संवैधानिक गारंटी बहाल कराने के लिए वोट मांगे थे।

अक्टूबर 2024 के विधानसभा चुनावों में हमें भारी जनादेश मिलने का यही मुख्य कारण था। हमने राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए प्रयास करने का वादा किया था। हमें अपने सभी वादे पूरे करने होंगे। हम सत्ता में आने के बाद भाजपा की भाषा नहीं अपना सकते।

सांसद के अनुसार, पिछले साल चुनाव अभियान का केंद्र बिंदु अनुच्छेद 370 था, लेकिन सरकार बनने के बाद पार्टी ने राज्य का दर्जा बहाल करवाने पर जोर देना शुरू कर दिया है। मेहदी के शब्दों में, अगर हम 370 से हटकर केवल राज्य का दर्जा मांगने लगें, तो हम भाजपा की ही लाइन पर चल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस कार्यसमिति बैठक की कोई सूचना ही नहीं दी गई। मेहदी ने नाराजगी जताते हुए कहा, मैं 2002 से स्थायी सदस्य हूं। पहली बार ऐसा हुआ है कि मुझे आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह विरोध नहीं, बल्कि पार्टी को उसके वादे याद दिलाने का प्रयास है, क्योंकि पिछले वर्ष जनता ने लंबे समय बाद मुख्यधारा की पार्टियों पर भरोसा जताया और एनसी को बड़ा जनादेश दिया।

हमने नहीं किया अपने राजनीतिक और प्रशासनिक एजेंडे पर काम

मेहदी का कहना है कि पार्टी से उनका विवाद इसी बात को लेकर है कि जिस मुद्दे पर वोट मांगे गए, पार्टी को उसी पर काम करना चाहिए था। एक साल बीत गया, लेकिन हमने अपने राजनीतिक और प्रशासनिक एजेंडे पर काम नहीं किया। आरक्षणों का युक्तिकरण नहीं हुआ। जो ओपन मेरिट उम्मीदवार आयु सीमा पार कर रहे हैं, उन्हें हम यह नहीं कह सकते कि हमारे पास अभी पांच साल और हैं।

मराठा आरक्षण के विरोधियों को निकाय चुनावों में हराना होगा : मनोज जरांगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि नौकरियों और शिक्षा में मराठाओं के लिए कोटा का विरोध करने वालों को महाराष्ट्र में मौजूदा स्थानीय निकाय चुनावों में वोट नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय उन नेताओं को माफ नहीं करेगा जो उनकी मांगों के खिलाफ खड़े होंगे।

ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए आरक्षण की मांग को लेकर कई दौर के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जरांगे ने कहा कि आरक्षण के मोर्चे पर 'जीत' हासिल करने के बाद समुदाय के युवाओं को अब उद्यमी बनने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम मराठा आरक्षण का विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को जीतने नहीं देंगे। उन्हें हराना होगा, तभी वे मराठा समुदाय की ताकत को समझ पाएंगे।

भारत-अफ्रीका के बीच पहला वनडे कल

» पंत को मिल सकती है जगह, नीतीश-सुंदर में से किसी एक को मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर यानी रविवार से वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जायेगा। पहले वनडे मैच के लिए भारतीय टीम प्रबंधन के सामने प्लेइंग-11 चुनने की चुनौती है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और केएल राहुल दोनों ही इस सीरीज का हिस्सा हैं। राहुल टीम की कप्तानी करेंगे, ऐसे में उनका टीम में रहना तय है। वहीं, पंत एकादश में जगह बना पाएंगे या नहीं ये देखना दिलचस्प रहेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पंत और राहुल दोनों प्लेइंग-11 का हिस्सा थे, लेकिन वनडे में स्थिति अलग है।

नियमित कप्तान शुभमन गिल के नहीं होने से यशस्वी जायसवाल रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग के लिए उतर सकते हैं। वहीं, कोहली तीसरे नंबर पर उतरेंगे। कप्तान राहुल अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो पंत को मध्य क्रम में सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खिला सकते हैं? पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। एक और अहम फैसला ऑलराउंडर के स्थान को लेकर है जिसके लिए नीतीश और वाशिंगटन का दावा है। अगर भारत पारंपरिक सोच अपनाता है तो वाशिंगटन को मौका मिल सकता है, जबकि अगर उन्हें गेंद से इंपैक्ट और डेथ ओवरों में पावर हिटिंग का विकल्प चाहिए तो नीतीश को मौका मिल सकता है। तेज गेंदबाजों में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को खिलाने की संभावना है।

सचिन-कोहली-द्रविड़ की लिस्ट में शामिल होने के लिए रोहित 98 रन दूर

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बेहद करीब हैं। रोहित जल्द ही उन चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो सकते हैं जिन्होंने 20,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए हैं। इस उपलब्धि को भारत में अब तक सिर्फ तीन बल्लेबाजों- सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने ही छुआ है। रोहित शर्मा के नाम अब तक सभी प्रारूपों में कुल 19,902 रन दर्ज हैं, और वह इस उपलब्धि से सिर्फ 98 रन दूर हैं। उन्होंने अपने करियर में अब तक 502 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट में हिटमैन के नाम 4,301 रन और वनडे में 11,370 रन हैं। टेस्ट में रोहित संन्यास ले चुके हैं। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय में हिटमैन ने 4,231 रन बनाए। टी20 से भी रोहित ने संन्यास ले लिया है। रोहित अब सिर्फ एक प्रारूप यानी वनडे क्रिकेट में खेल रहे हैं। भारत की ओर से अब तक सबसे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर ने बनाए हैं, जिनके नाम 34,357 रन दर्ज हैं। उनके बाद विराट कोहली (27,673) और फिर राहुल द्रविड़ (24,064) का नंबर आता है। अब रोहित इस लिस्ट में चौथे भारतीय खिलाड़ी बनने से बस एक शतक से भी कम दूर हैं।

जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों पर मचा घमासान

» कांग्रेस ने उठाए सवाल

» आईएमएफ की वार्षिक रिपोर्ट दिखा एनडीए ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की आर्थिक विकास दर के ताजा आंकड़े जारी होने के बाद देश सियासी संग्राम प्रारंभ हो गया है। कांग्रेस ने इस पर सवाल उठा दिए हैं। जयराम रमेश ने आईएमएफ की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था की स्थिति निराशाजनक बनी हुई है और उच्च आर्थिक विकास की दर टिकाऊ नहीं है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह भी अजीब संयोग है कि तिमाही जीडीपी के आंकड़े ठीक उसी समय जारी किए गए हैं, जब आईएमएएपफ की वार्षिक रिपोर्ट में भारत के नेशनल अकाउंट्स के आंकड़ों को सी ग्रेड दिया गया जो कि दूसरा सबसे कम मूल्यांकन है।

दरअसल, जीडीपी के शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी जो पिछली छह तिमाहियों में सर्वाधिक है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 5.6 फीसदी रही थी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 फीसदी थी।

अर्थव्यवस्था की स्थिति निराशाजनक : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने जीडीपी के ताजा आंकड़ों को लेकर 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, यह विडंबना है कि विकास दर के तिमाही आंकड़े उस वक्त जारी किए गए जब आईएमएफ की रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था के वार्षिक मूल्यांकन में भारत के राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों को 'सी' श्रेणी में रखा है जो दूसरी सबसे निचली श्रेणी में हैं। आंकड़ों की स्थिति निराशाजनक बनी हुई है। कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं दिख रही है। निजी निवेश में नई गति आए बिना उच्च लष्टक्वृद्धि दर लंबे समय तक टिक नहीं सकती और ऐसी किसी सुधार के कोई सबूत दिखाई नहीं देते। अवास्तविक रूप से बहुत कम है जो यह दिखाता है कि महंगाई दर सिर्फ 0.5 फीसदी है जबकि सच्चाई बिल्कुल उलट है। करोड़ों परिवार अपने रोजमर्रा खपत होने वाले वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं, और उनके अनुभवों से यह आंकड़ा जरा भी मेल नहीं खाता।

नेपाल में 100 रुपये के नोट पर भारतीय क्षेत्र दिखाने को लेकर कांग्रेस के निशाने पर मोदी सरकार

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र को नेपाल द्वारा एनपीआर 100 के लिए नया नोट जारी करने के कदम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस नोट में लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी के विवादित क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक अद्यतन मानचित्र दिखाया गया है। पवन खेड़ा ने कहा कि यह बिल्कुल चौंकाने वाला है। भारत सरकार को समझदारी और सख्ती से काम लेने की ज़रूरत है। भारत सरकार की प्रतिक्रिया क्या है? नेपाल ने गुरुवार को एनपीआर 100 के लिए अपना नया नोट जारी किया, जिसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी के भारतीय क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक अद्यतन मानचित्र दिखाया गया है। यह बैंक नोट आज प्रचलन में आ गया। एक सार्वजनिक सूचना में, नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी), जो कि नेपाल का केंद्रीय बैंक है, ने कहा कि नए जारी किए गए एनपीआर 100 मूल्यवर्ग के नोट को प्रामाणिकता और उपयोगिता बढ़ाने के लिए परिष्कृत सुरक्षा और पहचान तत्वों को शामिल करते हुए डिज़ाइन किया गया है। पिछले साल अक्टूबर में, एनआरबी ने एक चीनी कंपनी को नए बैंक नोटों की छपाई का काम सौंपा था। नेपाली मंत्रिमंडल ने मई 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में एनपीआर 100 मूल्यवर्ग के नोट के डिज़ाइन को मंजूरी दी थी। मुद्रण का ठेका चाइना बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन को दिया गया था। 20 मई, 2020 को, नेपाल ने एक संवैधानिक संशोधन के माध्यम से लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को शामिल करते हुए एक नया नक्शा जारी किया। लिमियाधुरा और कालापानी के क्षेत्रों के मुद्दे पर भारत के साथ कूटनीतिक रूप से बातचीत करने का आह्वान किया, जिन्हें अब देश की नई मुद्रा में दर्शाया गया है। नए एनपीआर 100 बैंकनोट जारी होने के बाद एएनआई से बात करते हुए, फैबियन ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अनावश्यक है। अगर नेपाल का मानना है कि भारतीय क्षेत्र का एक हिस्सा नेपाली क्षेत्र का हिस्सा है, तो नेपाल को भारत के साथ कूटनीतिक रूप से बातचीत करनी चाहिए, न कि केवल अपनी मुद्रा पर एक नया नक्शा लगाना चाहिए।

नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई टली

» राउज ऐवन्यू कोर्ट मामले पर 16 दिसंबर में फैसला सुनाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ ईडी की अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने पर सुनवाई टल गई है. अब राउज ऐवन्यू कोर्ट मामले में ईडी की चार चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर 16 दिसंबर में फैसला सुनाएगा। बता दें इस केस में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और कई अन्य लोगों को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया गया है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने 7 नवंबर को आदेश सुरक्षित रखते हुए ईडी से कुछ अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगे थे। अदालत ने केस रिकॉर्ड की जांच के बाद कहा था कि कुछ दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की जानकारी को और गहराई से देखने की जरूरत है। अदालत ने कहा था, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने केस फाइलों की जांच के मद्देनजर जरूरी स्पष्टीकरण दे दिए हैं। आदेश 29 नवंबर को सुनाया जाएगा। हालांकि अब इस मामले में 16 दिसंबर को फैसला सुनाया जाएगा। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने एक बड़ी आर्थिक साजिश के तहत नेशनल हेराल्ड के मूल प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति पर गलत तरीके से कब्जा किया।

दावा है कि यह पूरा सौदा महज 50 लाख रुपए में यंग इंडियन नाम की कंपनी के जरिए किया गया. यंग इंडियन में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की अधिकांश हिस्सेदारी है। ईडी इस मामले को गंभीर आर्थिक अपराध और संपत्ति हड़पने की साजिश बता रही है, वहीं कांग्रेस नेताओं ने आरोपों को बहुत अजीब बताया है, उनका कहना है कि यंग इंडियन का गठन कानूनी नियमों के तहत हुआ और इसमें किसी भी तरह का निजी लाभ शामिल नहीं है।

कर्नाटक में चल रहा नाटक, विकास ध्वस्त : कुमारस्वामी

» केंद्रीय मंत्री का तंज- परिणाम का बेसब्री से इंतजार है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में चल रहे नेतृत्व संघर्ष के बीच, केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के सांसद एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कांग्रेस सरकार की आलोचना की और स्थिति को नाटक करार देते हुए विकास की उपेक्षा का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए, कुमारस्वामी ने कहा कि वे इस अंतिम नाटक के परिणाम का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं इन सब बातों पर चर्चा नहीं करना चाहता। एक नाटक चल रहा है। हम इस अंतिम नाटक के परिणाम का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं... विकास कहाँ है? कर्नाटक में विकास ध्वस्त हो गया है... पिछली सरकारों द्वारा शुरू किए गए काम जारी हैं। इस सरकार द्वारा कोई नया काम नहीं किया जा रहा है। वे बस ज़मीन हड़पने और राज्य को लूटने की कोशिश कर रहे हैं। 30 नवंबर को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले पार्टी की रणनीति समूह की बैठक के बाद कांग्रेस केंद्रीय नेताओं के साथ इस संकट पर चर्चा कर सकती है। इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने दावा किया कि कुछ लोग उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं और इस मुद्दे को सुलझाना दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान पर निर्भर है। एएनआई से बातचीत में, कर्नाटक के गृह मंत्री ने डीके शिवकुमार-सिद्धारमैया विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को रोका नहीं जा सकता।

सिद्धारमैया व शिवकुमार में हुई मुलाकात

इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को अपने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से उनके आवास पर एक महत्वपूर्ण नाश्ते पर मुलाकात की, जहाँ दोनों नेताओं ने पारंपरिक इडली और सांभर के साथ अपने गुस्से को शांत करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री सद्धारमैया ने पार्टी के भीतर चल रहे संकट को सुलझाने के लिए शिवकुमार को पहले ही आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना भी बैठक में मौजूद थे।

शाहजहांपुर में झोपड़ी में आग लगने से एक बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक झोपड़ी में आग लगने से एक बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि कांट थानाक्षेत्र के अलियापुर गांव में रहने वाले रामपाल श्रीवास्तव (60) शुक्रवार रात में खाना खाकर घर के बाहर बनी अपनी झोपड़ी में सो रहे थे।

उन्होंने बताया कि रात में अचानक उनकी झोपड़ी में आग लग गई। अधिकारी ने परिजनों के हवाले से बताया कि इसके बाद शोर गुल सुनकर सामने मकान में रह रहे उनके परिवार के लोग बाहर निकले लेकिन आग काफी तेज थी। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के सभी प्रयास निष्फल हो गए और रामपाल की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के झुलसे हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तूफान दितवाह से तबाही, 123 लोगों की मौत

» कोलंबो एयरपोर्ट पर तीन दिन से फंसे 300 भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तूफान दितवाह ने श्रीलंका में भयानक तबाही मचाई है। तूफान के कारण यहां कम से कम 123 लोगों की मौत हो गई है। राहत बचाव का कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं, अब दितवाह भारत की ओर रूख कर लिया है। तूफान के चलते कई फ्लाइट्स कैंसिल हैं। साइक्लोन दितवाह के चलते फ्लाइट्स कैंसिल होने से 300 भारतीय यात्री तीन दिनों से कोलंबो में फंसे हैं।

साइक्लोन दितवाह की वजह से चेन्नई जाने वाली कई फ्लाइट्स कैंसिल है। वहीं, दुबई से श्रीलंका होते हुए भारत आ रहे करीब 300 यात्री पिछले तीन दिनों से कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। इनमें करीब 150 यात्री तमिल के हैं। एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों ने आरोप लगाया है कि खराब मौसम की वजह से ऑपरेशन में रुकावट की वजह से उन्हें ठीक से खाना, पानी और बेसिक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन ने पब्लिक डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी को कोलंबो में भारतीय दूतावास के साथ कोऑर्डिनेट करने का निर्देश दिया है। इसके बाद अधिकारियों ने कोलंबो में फंसे तमिलों की सुरक्षित वापसी पक्का करने के लिए भारतीय हाई कमीशन के अधिकारियों से बातचीत की है। सरकार ने एयरपोर्ट पर मुश्किलों का सामना कर रहे यात्रियों के लिए ममद की मांग की है। भारत ने तूफान दितवाह से प्रभावित श्रीलंका तक अपनी मानवीय मदद बढ़ाई है।

तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट

30 नवंबर को चक्र वाती तूफान का असर उत्तर तमिलनाडु, पुडुच्चेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों पर दिखाई दे सकता है। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने तटीय इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार तड़के 2: 30 बजे तूफान का केंद्र 9.2 डिग्री उत्तर और 80.8 डिग्री पूर्व पर स्थित था, जो त्रिंकोमाली से 80 किमी उत्तर-पश्चिम और चेन्नई से लगभग 430 किमी दक्षिण में था। चक्रवाती तूफान के उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 30 नवंबर को उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के पास पहुंचने की संभावना है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।